Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

अब तक सुध न लिये जाने से मायूस है सस्ता गल्ला विक्रेता

ऑफलाइन काम कराकर सस्ता गल्ला विक्रेताओं का खुलेआम किया जा रहा उत्पीड़न

जिम्मेदार कौन

धारचूला व डीडीहाट मुंसयारी के सस्ता गल्ला विक्रेता ग्यारह दिन से चल रहे बेमियादी हड़ताल पर

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट।

पिथौरागढ़। छह सूत्रीय मांगो को लेकर सीमांत जनपद पिथौरागढ सहित धारचूला ,डीडीहाट व मुंसयारी के सस्ता गल्ला विक्रेता पिछले ग्यारह दिनों से लंबी हडताल पर चल रहे है।

बता दें कि सस्मा गल्ला विक्रेताओं ने प्रदर्शन करते अपना आंदोलन आगे भी जारी रखने की बात कही है। वही सीमांत क्षेत्र के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में कोरोना काल व आपदा के दौरान भी सस्ता गल्ला विक्रेताओं ने पूरी आत्मनिर्भरता से राशन का वितरण किया। सस्ता गल्ला विक्रेताओं को आस थी कि उनकी मांगों की प्रदेश सरकार

सुध लेगी मगर अब तक पिछले ग्यारह दिनों की अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने के बावजूद इस मामले पर कोई खास पहल न हो पाने से सीमांत जिले व आपदा प्रभावित क्षेत्रों के सस्ता गल्ला विक्रेताओं ने अब आर पार की लड़ाई लड़ने का मन बना लिया है।

जानकारी के मुताबिक सस्ता गल्ला विक्रेता उचित मानदेय, खाधान्न गोदामों को डिजिटल किये जाने ,धर्मकांटा और डिजिटल कांटा लगाये जाने ,घटतोली की समस्या का प्रमुख्ता से समाधान करने ,वही विक्रेताओं के विभिन्न देयकों ,मध्यान्ह भोजन बिल ,पीएम कल्याण योजना के बिल ,राष्ट्रीय खाध सुरक्षा योजना के बिलों का भुगतान करने ,आंनलाइन व आफलाइन दोहरी नीति को समाप्त करने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन आंदोलन पर चले गये है। एक तरफ विक्रेताओं से शासन आनलाइन करवा रहा है। दूसरी तरफ खाद्यय गोदामों में वर्तमान में आफलाइन काम कराकर सस्ता गल्ला विक्रेताओं का खुलेआम उत्पीड़न किया जा रहा है।

वही अब सीमांत जनपद पिथौरागढ़ व सीमांत के आपदा प्रभावित क्षेत्रों के सस्ता गल्ला विक्रेताओं ने सुध न लिये जाने पर अब आप पार की लड़ाई लड़ने का मन बना लिया है। वही प्रदर्शन करने वालों में तमाम सस्ता गल्ला विक्रेता मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

जिला कारागार देहरादून में विधिक जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

संवाददाता देहरादून। प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देहरादून ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के निर्देशानुसार आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ''भारत का अमृत महोत्सव'' के अन्तर्गत विधिक जागरूकता अभियान चलाये हेतु दिये गए निर्देशों के अनुपलन में आज सदस्य सचिव, उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल आर0 के0 खुलबे, की उपस्थिति में जिला कारागार, देहरादून में निरूद्ध विचाराधीन बंदियों के लिये जिला कारागार, देहरादून में शिविर का आयोजन किया गया। सदस्य सचिव, उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल द्वारा सभी बंदियों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का उत्तर दिया गया।

टैफे ने राष्ट्रव्यापी सर्विस अभियान मैसी सर्विस उत्सव किया लॉन्च

संवाददाता देहरादून। प्रमुख भारतीय ट्रैक्टर कंपनी और दुनिया के तीसरे सबसे बड़े ट्रैक्टर निर्माता, टैफे – ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड ने एक राष्ट्रव्यापी मेगा ट्रैक्टर सेवा अभियान मैसी सर्विस उत्सव लॉन्च किया, ताकि किसानों के लिए चिंता मुक्त खेती सुनिश्चित की जा सके। मैसी सर्विस उत्सव का मुख्य उद्देश्य मेन्टेनेंस की लागत को कम करके किसानों को लाभ पहुंचाना है और उन्हें देश भर में 3000 से अधिक, अति कुशल और अच्छी तरह से प्रशिक्षित मैकेनिकों के मार्गदर्शन में 1500 से ज्यादा अधिकृत वर्कशॉपों में ट्रैक्टर श्रेणी में सर्वोत्तम सर्विस प्रदान करना है।

धनतेरस के लिए काश्यम कलेक्शन के साथ रिलायंस ज्वेल्स ने उत्सव की शुरुआत की

संवाददाता हल्द्वानी। भारत के सबसे भरोसेमंद ज्वैलरी ब्रांडों में से एक, रिलायंस ज्वेल्स ने इस बार त्योहारों के मौसम की शानदार तरीके से शुरुआत करते हुए उम्दा आभूषणों के बेमिसाल कलेक्शन, काश्यम को लॉन्च किया है। यह कलेक्शन बनारस की समृद्ध विरासत, परंपरा और आस्था को दर्शाने वाली कला एवं संस्कृति, मंदिरों और आश्चर्यजनक वास्तुकला से प्रेरित है। ग्राहकों को काशी विश्वनाथ दुर्गा कुंड मंदिर, रत्नेश महादेव मंदिर, विशालाक्षी एवं बौद्ध मंदिर, रामनगर किला, तुलसी घाट, प्राचीन प्रवेशद्वार और जंतर–मंतर की कला के विभिन्न स्वरूपों के साथ–साथ बनारसी साड़ी, गंगा आरती, गंगा घाट तथा गुलाबी मीनाकारी एवं नक्काशी की जीवंत एवं अत्यंत मनमोहक कला पर आधारित विभिन्न प्रकार के अलंकृत डिजाइन और शानदार ढंग से तैयार किए गए आभूषणों में से अपने पसंदीदा गहनों को चुनने का अवसर मिलता है।

ग्राम्य विकास विभाग का देखो खेल 57 अंक वाला पास 70 वाला फेल

संवाददाता देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग द्वारा वर्ष 2011–12 में ग्राम विकास अधिकारी के पद पर भर्ती हेतु अधियाचन उत्तराखंड प्राविधिक शिक्षा परिषद को प्रेषित कर परीक्षा संपन्न कराने का जिम्मा दिया गया, जिसमें लिखित परीक्षा में अहर्ता हेतु न्यूनतम 40 अंक निर्धारित किए गए थे तथा शारीरिक दक्षता परीक्षा का प्रावधान भी किया गया था। उत्तराखंड प्राविधिक शिक्षा परिषद ने मेरिट के आधार पर सिर्फ उच्चतम अंक हासिल करने वाले को ही शारीरिक दक्षता परीक्षा हेतु आमंत्रित किया तथा न्यूनतम अहर्ता हेतु निर्धारित अंक 40 एवं उससे अधिक वालों को शारीरिक दक्षता परीक्षा हेतु आमंत्रित नहीं किया गया।

पत्रकारों से वार्ता करते हुए नेगी ने कहा कि न्यूनतम अहर्ता हासिल करने वाले कुछ युवाओं द्वारा उच्च न्यायालय की शरण ली गई,जिसमें मा. उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 6/4/18व 9/4/18 के द्वारा निर्णय दिया गया कि जिन अभ्यर्थियों ने न्यूनतम अहर्ता अंक 40 प्राप्त किए हों,उन सभी को शारीरिक दक्षता परीक्षा हेतु बुलाया जाए तथा काबिल अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रदान की जाए।

नेगी ने कहा कि दुर्भाग्य की बात है कि प्रदेश में सिफारिश विहीन एवं संसाधन विहीन युवा छले जा रहे हैं। मोर्चा शीघ्र ही इस अनियमितता के खिलाफ शासन में दस्तक देगा। पत्रकार वार्ता में अमित जैन व सुशील भारद्वाज मौजूद थे।

विकास योजनाओं के लिए हरे भरे पेड़ों का भारी संख्या मे हुआ कटान

संवाददाता देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन के द्वारा पर्यावरण संरक्षण के विरुद्ध सहस्त्रधारा रोड,गणेशपुर से देहरादून आदि सड़कों के चौड़ीकरण मे प्रस्तावित हजारो पेड़ों के कटान पर रोक लगाने,राजधानी को कंक्रीट के जंगल मे बदलने से रोक लगाने समेत पर्यावरण के संरक्षण को लेकर,राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा गया। ज्ञापन मे उल्लेख किया गया है की हिमालय की वादियो मे बसा उत्तराखंड पर्यावरण की दृष्टि से अत्याधिक संवेदनशील राज्य है ,जहा गंगा यमुना जैसी सदानीरा नदियां पूरे उत्तरी भारत को जलापूर्ति करती है। इन विशाल जल संसाधनो में हमारे हरे–भरे जंगलों का भी अत्याधिक योगदान है। वर्तमान में विकास की विभिन्न संचालित योजनाओं के लिए राज्य के वनों का अत्याधिक ह्रास हुआ है।

हमारी सरकार समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को लाभ पहुंचे

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा बागेश्वर क्षेत्र की 9424.23 लाख की लागत की 42 योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें 5957.47 लाख की लागत की 21 योजनाओं का लोकार्पण तथा 3466.76 लाख की 21 योजनाओं का शिलान्यास किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद बागेश्वर वासियों के लिए खुशी की बात है कि उनकी कई वर्षो से चली आ रही रेल मार्ग की मांग का सपना पूरा हो रहा है, जिसके लिए मा0 प्रधानमंत्री के प्रयासों रेल मंत्रालय द्वारा टनकपुर से बागेश्वर नई ब्रॉड गेज रेल लाइन फाइनल लोकेशन सर्वे को मंजूरी दी गयी है।

सीएम ने बागेश्वर की 9424.23 लाख की लागत की 42 योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने जो मुझे मुख्य सेवक का दायित्व दिया है उसके बाद हमारी सरकार लगातार ही जनहित के फैसले ले रही है। उन्होंने कहा हमारी सरकार युवाओं को रोजगार देने पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा विभिन्न विभागों में रिक्त चल रहे 24 हजार पदों पर भर्ती एवं युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए युवाओं हेतु प्रत्येक जिले में मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत ऋण वितरित किए जा रहे है। उन्होंने कहा लंबे समय से चली आ रही आशा कार्यकत्रियों की मांग को पूरा करते हुए उनके मानदेय के अन्तर्गत एक हजार और प्रोत्साहन राशि के रूप में पांच सौ बढ़ा दिये हैं। उन्होंने कहा हमारी सरकार ने गांव के विकास में अहम योगदान निभाने वाले ग्राम प्रधानों का मानदेय 3500 तक बढ़ाया है, इसके साथ ही उपनल कर्मचारियों के मानदेय में दो से तीन हजार रुपये तक की बढोतरी की गयी है।

उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड जैसे युवा राज्य को आने वाले समय में, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, व्यापार, उद्योग जैसे तमाम क्षेत्रों में हिंदुस्तान का नम्बर वन राज्य बनाएंगे। उन्होंने कहा हमारी सरकार समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को लाभ पहुंचे इस पर निरंतर कार्य कर रही है।

पैरेंट्स अपने बच्चों को कैसे रख सकते हैं कोविड–19 से सुरक्षित

संवाददाता देहरादून। भारत में कोविड–19 की अनुमानित तीसरी लहर प्रमुख रूप से बच्चों के लिए चिंताजनक है। कई राज्य सरकारों ने बच्चों के संक्रमित होने की स्थिति में अस्पतालों और वैक्सीन्स को लेकर अपनी मौजूदा पीडियाट्रिक क्षमताओं को लेकर चिंता जाहिर कर दी है। जहां पहली लहर के दौरान बच्चे अपेक्षतया अधिक सुरक्षित थे, वहीं दूसरी लहर के दौरान वायरस के म्यूटेटेड वर्जन्स से बच्चे भी अछूते नहीं रहे। कोविड–19 संक्रमित बच्चे में ऐसा हो सकता है कि इसके लक्षण दिखायी न दें, या फिर हल्के–फुल्के दिखायी दें, या थोड़ा बीमार पड़ जाये या फिर वो गंभीर रूप से बीमार पड़ जाये। बच्चों में इसके लक्षण बड़ों की तरह ही हो सकते हैं, जैसे कि बुखार, सर्दी, सांस लेने में तकलीफ और थकान व अन्य। हालांकि, गंभीरता में अंतर हो सकता है। घर की सभी सतहों को भी नियमित रूप से डिसइंफेक्ट करना चाहिए।